

उदय हुआ सूरज पूरब में,
आसमान में छाई लाली।
रही न रात, न रहा अँधेरा,
रही न चंदा की उजियाली।

डाल-डाल पर बैठे पक्षी,
चह चह-चह चह चहक रहे हैं।
खिले फूल, मुसकाई कलियाँ,
सारे उपवन महक रहे हैं।

हवा बह रही धीमी-धीमी,
शीतल, मंद और सुखदाई।
जाग गए हैं खेत-बाग-वन,
पेड़ ले रहे हैं अँगड़ाई।

कण-कण पर विखरे हैं मोती,
कण-कण विखरी हैं मणियाँ।
कितनी मनहर, कितनी सुंदर,
सुखद सुहानी ये घड़ियाँ !

—द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी



उदय हुआ = निकला
उजियाली = प्रकाश
उपवन = बगीचे

सुखदाई = सुख देने वाली
मनहर = मन को हर लेने वाली
सुखद = सुख देने वाली

पाठ कौशल

 प्रश्नों के उत्तर लिखो-

1. सूरज किस दिशा में निकला है? _____
2. सूरज निकलने पर अँधेरे का क्या हुआ? _____
3. पक्षी कहाँ बैठकर चहक रहे हैं? _____
4. कैसी हवा बह रही है? _____
5. सवेरे की घड़ियाँ कैसी लग रही हैं? _____
6. यह कविता किसने लिखी है? _____

 कविता की इन पंक्तियों को पूरा करो-

हवा बह रही _____,

_____ खेत-बाग-वन,
_____।

कण-कण _____,
_____ मणियाँ।
कितनी _____,
_____ घड़ियाँ!

इन शब्दों से मिलते-जुलते शब्द कविता से छाँटकर लिखो-

लाली _____

सुखदाई _____

मगियाँ _____

ठीक उत्तर के सामने चिह्न लगाओ-

1. सूरज निकलने पर आसमान में _____

(i) लाली छा गई।

(ii) गर्द छा गई।

(iii) चाँदनी छा गई।

2. डाल पर बैठे पक्षी _____

(i) महक रहे हैं।

(ii) चहक रहे हैं।

(iii) शोर मचा रहे हैं।

भाषा कौशल

पढ़ो, समझो और लिखो-

1. आसमान में छाई लाली।

आसमान में लाली छाई।

2. जाग गए हैं खेत-बाग-वन।

3. पेड़ ले रहे हैं अँगड़ाई।

4. कण-कण पर बिखरे हैं मोती।

5. रही न चंदा की उजियाली।

समान अर्थ वाले शब्द लिखो-

सूरज _____

पूरब _____

रात _____

चंदा _____

पक्षी _____

उपवन _____

शीतल _____

वन _____

पेड़ _____

मंद _____



अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो-

1. सुख देने वाली

2. मन को हर लेने वाली

3. अच्छी लगने वाली



सही मेल मिलाओ-

अ

आ

1. चंदा की

(i) हवा

2. कलियाँ

(ii) घड़ियाँ

3. धीमी-धीमी

(iii) उजियाली

4. सुखद

(iv) महक रहे हैं

5. उपवन

(v) मुसकाई



पढ़ो, समझो और अनेक को एक बनाओ-

मणियाँ

—

मणि

कलियाँ

—

घड़ियाँ

—

नदियाँ

—



इन शब्दों से वाक्य बनाओ-

लाली

शीतल

अँगड़ाई

कण

फूल
